



समाज जागरण

समाज जागरण
के 3 वर्ष पूरे होने
पर हमारा संदेश

समाज जागरण अखबार के 3 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पाठकों को हार्दिक शुभकानिनाएं!

समाज जागरण अखबार के 3 वर्ष पूर्ण होने पर सभी पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं!

यह एक महत्वपूर्ण मील का पथ्य है और समाज जागरण के लिए यह एक गर्व का क्षण है। हमारे अखबार ने अपने पाठकों को सचेत रखने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का भास्कर प्रयास किया है जो भविष्य में भी जारी रहेगा।

इस विशेष अखबार पर, समाज जागरण के पाठकों को धन्यवाद जिन्होंने अखबार को अपना समर्थन दिया है। आपके विश्वास और समर्थन ने अखबार को आगे बढ़ने में मदद की है। हम आपके साथ

मिलकर समाज को और भी बेहतर बनाने के लिए काम करते रहेंगे।

समाज जागरण के इस तीन साल के सफर में कई साथी मिले और कई चिढ़िये उन सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। जीवन के सफर में हर कोई हमें कुछ न कुछ शिक्षा देने का काम किया है, जिससे समाज जागरण के इस तीन वर्षों में मुझे मार्ग प्रशस्त करने से सहायक रहा है। मैं अपने उन तीन साथियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूँ जो निरंतर मेरे समाज जागरण के सफर में साथ दे रहे हैं।

साथियों पिछले तीन वर्ष में जो अनुभव मिला है, उसमें मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि किसी भी संगठन, देश या राष्ट्र को समृद्धि के शिखर पर पहुँचने के लिए टीम वर्क की जरूरत है। आज के प्रत्यकरिता और प्रत्यकर शायद इन बातों को समझने या समझने में अपना समय नष्ट नहीं करना चाहते हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ कि संगठन बना लेना उतना महत्वपूर्ण नहीं है महत्वपूर्ण संगठित रहना है। इसका जीता जागरण तब जाकर ही समाज हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार होगा। शार्टकट की प्रत्यकरिता प्रत्यकरां के लिए ही एक विषम परिस्थितियों को तैयार किया है। इनसे भी बचना

होगा। मैं अपने तीन पाठकों से भी अनुरोध करना चाहता हूँ कि एक ईमानदार प्रत्यकरिता के लिए आप सभी का सहयोग अति महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्यकर हमेशा आपके लिए जीने की कोशिश करता है तो उसके बारे में सोचना भी आप लोगों का ही दायित्व बनता है।

अतः उन साथियों को कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जो छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। समाज जागरण की ओर से पुनः आप सभी का आभार।



समाचारपत्र के सफल तीन वर्ष हीने की बहुत सारी बधाइयाँ, समाचार पत्रिका लोकतंत्र का चौथी स्तर है और समाज, सरकार को आईना दिखाती है अप के द्वारा समाज में फैले हुए प्रश्नों और कुरीतियों को प्रकाशित कर, लोगों को जागरूक किया जाता है एक निष्पक्ष और निर्भीक पत्रिका को एक बार फिर से खुशी उन्नति केंद्र के तरफ शुभकामनाये, आपका, हमारा ये समाचार पत्र दिनों दिन उन्नते होते और आगे बढ़े, सरिता चंद, हेड इंचार्ज, खुशी उन्नति केंद्र नोडा



समाज जागरण अखबार, अपनी तीनी वर्षगांठ मना रहा है प्रतकर के रूप दर्शाया है अखबार पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, निष्पक्ष और निर्भीक सभी समाचार प्रकाशन के लिए, सभी संपादक प्रतकर बंधुओं को कोटी कोटी बधाई

बैंजनाथ प्रसाद सिंह शिक्षक, राजा गोपाल इंग्लिश अकादमी, नवीनगर (आरंगाबाद)

शुभकामना संदेश।

दैनिक समाज जागरण के तीसरी वर्षगांठ पर मैं संपादक महोदय एवं सभी संपादकाताओं को दिल की गहराइयों से शुभकामना देता हूँ। प्रकाशन शुरू होने के दिन से ही श्री अनिल कुमार संवाददाता नवीनगर के माध्यम से पाठक के रूप में इस अखबार से जुँड़ गया था जो अभी तक जारी है। जल्दी और सटीक समाचार के लिए आपका अखबार प्रशंसा का पात्र है। धन्यवाद। इहाजी मुश्ताक अहमद। मीडिया प्रभारी पेंशन समाज, नवीनगर औरंगाबाद बिहार।

पाठकों की विश्वसनीयता पर खारा उत्तरा है समाज जागरण। हमारा प्रजातंत्र मजबूत बने और लोकतंत्र की जड़े गहरी हो, अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के कारण समाज जागरण अपनी निष्पक्ष, निर्भीक खबरों के माध्यम से समाज में व्यापक बुराइयों को उत्तराधिकार करने से सहभागी बन अपनी माहिती भूमिका निर्वहन कर रहा है तीसरी वर्षगांठ पर हार्दिक एवं शुभकामना.. ओप्र प्रकाश सिंह ग्रामीण मंडल अध्यक्ष (भाजपा) नवीनगर

दैनिक समाज जागरण अखबार के तीसरे स्थापना दिवस पर

समूह से जुँड़े सभी संपादक मंडल, प्रकारों, कार्यरत साथियों एवं समाज जागरण अखबार के पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं। एक बधाई। वह अखबार अपने अल्प समय में ही प्रत्यकरिता के क्षेत्र में एक अलग ही पहचान कायम करने में सफल रहा है उम्मीद करता हूँ कि अखबार से जुँड़े सभी साथी अपनी निष्पक्षता और निर्भीकता से अपनी लेखनी द्वारा समाज के बुराइयों को उत्तराधिकार करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करें।

अनील कुमार संवाददाता नवीनगर (आरंगाबाद)

प्रत्यकरिता जगत में अपनी अलग पहचान रखने वाले दैनिक समाज जागरण ने आज अपने तीन वर्ष पूरे किए जिसके लिए समाज जागरण से जुँड़े सभी साथियों को शुभकामनों के साथ साथ अभी भी लागू तक खबर पहुँचाने के लिए धन्यवाद देता हूँ। और भगवान से प्रार्थना करता हूँ इसी तरह समाज जागरण और सशक्त हो।

शशि कांत सिंह प्रबधक संजय मेमोरियल ह्यूमन कालेज केराकर पुर वाराणसी

"दैनिक समाज जागरण"

अखबार के सफल प्रकाशन के तीन वर्ष पूर्ण होने और चौथी वर्ष में कई प्रवेश को लेकर, मेरी ओर से उत्साही वर्धावर्धक शुभकामनाएं प्रेषित हैं। स्वतंत्र भारत के चौथे स्तम्भ के रूप में, निर्भीक और निष्पक्ष प्रत्यकरिता, आज के समय में राष्ट्र की अति आशयक आवश्यकता बन चूकी है जिसका निर्बाध अनुपालन की कस्टोटी पर "दैनिक समाज जागरण" अवतरक खारा उत्तरा है। आशा और अपेक्षा की जाती है कि राष्ट्र सेवा के अपने इस कर्तव्य पथ पर, अखबार का

भविष्य और भी विस्तार लेते हुए अग्रसर होगा। प्रकाशक मंडल को द्वेरा बधाइयाँ एवं

उत्साही वर्धावर्धक शुभकामनाएं प्रेषित हैं। स्वतंत्र भारत के चौथे स्तम्भ के रूप में, निर्भीक और निष्पक्ष प्रत्यकरिता, आज के समय में राष्ट्र की अति आशयक आवश्यकता बन चूकी है जिसका कस्टोटी पर "दैनिक समाज जागरण" अवतरक खारा उत्तरा है। आशा और अपेक्षा की जाती है कि राष्ट्र सेवा के अपने इस कर्तव्य पथ पर, अखबार का

प्रत्यकरिता करने के राह में जो रोड़े हैं उसके लिए कहीं न कही हम प्रत्यकर ही जिम्मेदार है। आज हम कहीं न कही अपने दावितों से बचने की कोशिश करते हैं और घर बैठे काँपी पेस्ट करके प्रत्यकर बनने की होड़ लगा हुआ है। हमें इन सब बातों से बचना होगा। हमें समाज के बीच में जाकर उनके जीमीनी हकीकतों को लिखना होगा। हमें उदाहरण इन बातों को लेना उतना महत्वपूर्ण नहीं है महत्वपूर्ण संगठित रहना है। इसका जीता जागरण तब जाकर ही समाज हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार होगा। शार्टकट की प्रत्यकरिता प्रत्यकरां के लिए ही एक विषम परिस्थितियों को तैयार किया है। इनसे भी बचना

होगा। मैं अपने तीन पाठकों से भी अनुरोध करना चाहता हूँ कि एक ईमानदार प्रत्यकरिता के लिए आप सभी का सहयोग अति महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्यकर हमेशा आपके लिए जीने की कोशिश करता है तो उसके बारे में सोचना भी आप लोगों का ही दायित्व बनता है।

अतः उन साथियों को कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जो छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। समाज जागरण की ओर से पुनः आप सभी का आभार।



दैनिक समाज जागरण के तीन वर्ष पूरे होने पर देती है जो दैनिक समाज जागरण ने सफलता पूर्वक अपने तीन वर्ष पूरे करने और अखबार जगत में नए कैरियर माध्यम स्थापित करने के लिए पूरी टीम को हमारी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं।

दैनिक समाज जागरण ने सफलता पूर्वक अपने तीन वर्ष पूरे जिसके लिए अखबार से जुँड़े सभी प्रत्यकर साथी को हार्दिक बधाई।

मनीष कुमार पांडे एडवोकेट प्रधान पुरुष भोपाल वाराणसी

अपना दैनिक समाज जागरण अखबार के वर्ष गांठ पर सभी पाठकों को हार्दिक बधाई देता हूँ बहुत

कम समय में खबरों की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना लेने में अखबार से जुँटे सभी सदस्यों का कहीं योगदान दिखता है जिसके लिए सभी प्रत्यकर बंधुओं को उम्मीद रही है। आज धैर्य धैर्य समाज सेवी वाराणसी



दैनिक समाज जागरण के निर्देशक और सभी सदस्यों को आदरणीय पाठक बंधु दुलाल, अप सभी अपनी कार्य में सफलता पूर्वक करते हुए तीन साल पूरे होने के लिए दिल से जुँड़े हैं।

दैनिक समाज जागरण ने अपनी तीन वर्ष पूरे होने पर देश के काने को राजनीति,

यादों के काल्पना में अमाद

छलक पड़े आंदू... यजन टाटा के जाने का ऐसा गरा मानो कोई अपना हमेशा के लिए हो गया जुदा



रतन टाटा सर एक दयालु व्यक्ति थे।

वे हमेशा अपने देश के कल्पनाएं के बारे में सोचते थे। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और उनके द्वारा गए एक कार्य हमेशा हमारे साथ रहेंगे। ओम शांति



आज सुबह जब आप उठेंगे और अपना एसी (वोल्टास) बंद करेंगे और समय (टाइट) बेंगेंगे तो आप काम पर जाने के लिए तैयार नहीं हो पाएंगे (वेस्टसाइड/जारा/जूडियो) और न ही एक कप चाय या काफी पांच पाणी (टेटली/स्टारबक्स) और न ही गाड़ी चला पाएंगे (टाटामोर्ट्स) और न ही काम पर जाने के लिए उड़ान भर पाएंगे (विस्तारा/एआई) और न ही किराने का सामान (बिंग बासेट) या इलेक्ट्रॉनिक्स (ओमा) खरीद पाएंगे और न ही कॉल कर पाएंगे (टेटोकॉम) और न ही समाचार देख पाएंगे (टाटास्काई) और न ही एक आंदू इंसान और पेंसे से आकिंटक को श्रद्धांजलि देंगे... जिन्हें एक लोगों के जीवन को हुआ है और जीवनी कीमी हमेशा खोलेगी....

रतन टाटा जी एक दुर्दर्शी बिजनेस लीडर, एक दयालु आत्मा और एक साधारण इंसान थे। उन्होंने भारत का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित व्यापार भरना में एक नक्तोंने नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही उनको योगदान बोर्डरम से कहीं आपे आ गया था। अन्तेन टाटा समूह और टाटा संसंघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे भारत की सबसे बड़ी कारोबारी कहानी, टाटा समूह, के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष थे, अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक वे समूह के क्रियाकारी अध्यक्ष थी रहे। रतन टाटा जी के जाने से हमारे देश को काफी नुकसान का सामान करना पड़ेगा।

R.J.D कार्यकारी पूर्ण यादव

इनके बारे जितना बोले उनका कम होगा, बहुत बड़े उद्योग पति गरिबों के लिए दानी थे कोरोना काल में बहुत मदद की भारत सरकार तथा भारत के गवर्नरों का इनहोंने कहा था कि अगर जरूरी पड़ी तो मैं अपना सारा पैसा दान में दे दूँगा बहुत ही अलग किस्मत के या सरल स्वभाव के व्यक्ति थे गोविंद प्रिया, ईडियन आर्मी

दैनिक समाज जागरण

देश के दिग्मिंज उद्योगपति पाया विभूषण रतन टाटा जी के देवलोकगमन का समाचार अत्यत दुखद है। उनका निधन पूरे देश के लिए एक अपरिणीय क्षति है। भारत के विकास के पथ पर आगे बढ़ाने में रतन टाटा जी की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने अपनी दुर्दर्शी सोच और असाधारण कौशल से दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

दैनिक समाज जागरण

रतन टाटा जी का जीवन एक उद्योगपति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति विनम्रता और मजबूत प्रतिष्ठित का भी प्रमाण है। उन्होंने टाटा ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में परोपकारी कार्यों की एक बड़ी श्रृंखला खड़ी की है।

दैनिक समाज जागरण

रतन टाटा जी का इस दुनिया से सोने के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी अपनों को हमेशा एसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिसने वास्तव में परवाह की और हर किसी को बेहतर बनाने के लिए अपना जीवन जिया। फट्ट सर डॉक्टर केतन वर्मा (मर्सी हास्पिटल) जमशेदपुर

मुंबई, देश और दुनियाभर में समानित उद्योगपति रतन टाटा का गुरुवार शाम को पूरे राजकीय सम्मान और पारसी रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार कर दिया। इस मौके पर उद्योग जगत के साथ ही समाज के हर तरफे लोग मौजूद थे, उन्होंने रतन टाटा को भावभीती श्रद्धांजलि दी। लोगों की आंखें नम थीं और सबके हाथ दुआं में उठे हुए थे, युवा से लेकर बुजुर्ग तक और अम से लेकर खास तक हर कोई गमीन था। रतन टाटा सिर्फ इंडस्ट्रियलिस्ट ही नहीं थे, वह भारत और भारतीयत के प्रतीक थे। भारत के विकास यात्रा के सहयोगी थे, इससे भी बढ़कर देश के हित में सोचने वाले विजनरी आइन थे।

रतन टाटा की मौत की खबर से कुछ लोग इन्हें आहत थे कि वे अपनी अंतिमों को रोक न सके, पास में खड़े लोग उन्हें ढांडस बंधाते हुए दिखे, उनके देखरेक अन्य लोग भी भावुक हो गए, एक युवती को बेतहासी रोते हुए देखा गया। रतन टाटा के इस यंग फैन का

ताटा समूह के सदस्यों और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदनांग व्यक्त करती है। उन्हें तथा ईश्वर से दिव्यगत पुण्यतामा को अपने श्री चरणों में स्थान दिया जाता है, रतन टाटा को भारतीय व्यक्ति की प्रार्थना करता है। उन्हें ताटा को 'भारत रतन' देखा जाना खुद एक भारत का रतन थे, रतन टाटा को भावभीती श्रद्धांजलि। संजय चौधरी हरी ओम नगर आदित्यपुर

निःसंदेह भारत देश का अनामोल द्वाता

श्री यजन टाटा : सच्चा भाष्यामी, सच्चा जानपतावादी को अशृण्यित श्रद्धांजलि

सच्चमुच्च थे भारत-रत्न, किया देश का नाम। देशभक्ति के पुंज को, सौ सौ बार प्रणाम।।

श्री रतन टाटा के जीवन की सबसे बड़ी खुशी..!

"मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूं ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूँ, तो मैं आपको पहचान सकूँ।" एक बार फिर आपका चर्चा की वायर से व्हायर देखा गया।

वह वायर रतन टाटा के जीवन का वह क्षण था, जिसने उन्हें सच्चे सुख का अर्थ समझा। जब एक टेलीफोन साक्षात्कार में भारतीय अरबपति श्री रतन टाटा से रेंडियो प्रस्तोता ने पूछा, "सर, आपको जीवन में सबसे अधिक खुशी कब मिली?" तब उन्होंने एक मार्मिक जवाब दिया।

जीवन के चार चरणों में खुशी की तलाश रतन टाटा ने कहा, "मैंने जीवन में चार चरणों से गुजरा और साथे खुशी का अर्थ समझा मैं आया।" एक बच्चे से मेरी टायग पकड़ ली। मैंने धीरे से पैर छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन उसने और जोर से कड़क लिया। तब मैं झुककर उससे पूछा, "क्या तुम्हें कुछ और चाहिए?"

उस बच्चे का जवाब जीवन बदलने वाला था। उसने कहा, "मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूं ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूँ, तो मैं आपको पहचान सकूँ।" और एक बार फिर आपका धन्यवाद कर सकूँ।"

ही अलग किस्मत के या सरल स्वभाव के व्यक्ति थे गोविंद प्रिया, ईडियन आर्मी

दैनिक समाज जागरण



10 अगस्त 1996 को हमें रतन टाटा स्टील में अपना जीवन शुरू किया। और आज तक सब कुछ बहुत अच्छा चला हाता है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

"टाटा कह गए हैं बाई बाई सी यू कहने की अब जाहाज नहीं।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा जी के निधन पर बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीवन के दिल वाला एक आदमी। रतन टाटा जी की अपनों की खो दिया है। आज रतन टाटा



दिनिक

राष्ट्रीय संकरण

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 3 अंक: 02 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया



स्थिरिदिवत्री नवम

रमन के प्रयास

जहां है खबरों का संसार।
निष्पक्षता है इसका आधार।
यह समाज अब हो जागृत,
इसका मूल रहा है विचार।
एक लक्ष्य लेकर चल रहा,
ये मशाल लेकर जल रहा।
बिना फल की चिंता किए,
प्रातः काल ये निकल रहा।
निःस्वार्थ सेवा का अग्रज रहा,
कल-कल बहुधारा में ढल रहा।
रमन के प्रयासों को मिली गति,
साईं से होकर निकली हैं प्रति!
तभी तो हुई है आज यह प्रगति।
अथक प्रयासों का रहा यह रण,
3 वर्ष का हुआ "समाज जागरण"।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

चीन के पड़ोस ने जाकर PM मोदी की दहाड़, बोले- 21वीं सदी भारत का, हम शांतिप्रिय, एक-दूसरे का कहो हैं सम्मान

विष्णुतियान (लाओस). प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुआई में अंतर्राष्ट्रीय मर्चों पर भारत ने अपनी साख को लगातार मजबूत किया है। पीएम मोदी फिलहाल अंतियान समिट में दिस्सा लेने के लिए लाओस गया है। चीन के पड़ोसी देश में पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने एक बार फिर के मंच से कहा कि 21वीं सदी अपेंट और भारत का है। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में टकराव की शक्ति लगातार बढ़ रही है, क्षेत्रीय संगठन और भारत के बीच सहयोग बेहद जरूरी है।

ASEAN के मंच से पीएम मोदी ने चीन को एक बार फिर से सीधा और स्पष्ट संकेत दिया है। पीएम मोदी ने कहा, ह्यामलोग शांतिप्रिय देश हैं। हम एक-दूसरे की राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। ह्यामलोग अपने युवाओं के सुनहरे भविष्य के प्रति कमिटेड हैं। मेरा मानना है कि 21वीं सदी भारत और असियान देशों का है, ह्याम बता दें कि असियान एशियाई देशों का एक प्रभावशाली संगठन है, जिसका लगातार विस्तार हो रहा है। इंटरनेशनल फोरम पर इसकी



धमक लगातार महसूस की जा रही है।

पीएम मोदी ने जापान-न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युरुवाक को यहां अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिवा के साथ मुलाकात की, जिसमें उन्होंने युरुवाकी ढांचे, संपर्क और रक्षा

सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने विष्णुतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात की। पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर लाओस की राजधानी में हैं। उन्होंने 21वीं असियान-भारत शिखर सम्मेलन के अवसर पर जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिवा से मुलाकात की और उन्हें उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाइ देते हुए जापान को नई

उंचाइयों पर ले जाने में सफलता की कामना की।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात

पीएम मोदी ने पर लिखा, ह्यामधानमंत्री इशिवा के साथ बहुत ही सार्थक बैठक हुई। मैं जापान का प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही दिन बाद उनसे मिलकर खुश हूं। ह्यामरी बातचीत में इंटरास्टक्चर, संपर्क, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। संकृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। इशिवा के पिछले साताह ही जापान का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। उन्होंने पुस्तियों की जाह ली है, जिसने नए नेता के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। टट्ट ने कहा, ह्यामधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिवा ने लाओस में भारत-असियान शिखर सम्मेलन से इतने शानदार बातचीत की। उन्होंने टेक्नोलॉजी, स्कियोरिटी और लोगों के बीच संबंध समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। ह्याम विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने विश्वसीय मित्र और रणनीतिक साझेदार जापान के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखेगा।

दशहरा से पहले योगी सदकार ने दी बड़ी सौगात

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं को दशहरा से पहले योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। यूपी में बिजली की दरें नहीं बढ़ेंगी। यूपी विधुत नियामक आयोग ने यूपीपीसीएल के प्रस्ताव को खार्ड कर दिया है। यूपी में पिछले लगातार 5वें साल भी नहीं बिजली दरें नहीं बढ़ेंगी और पहले से तब दर पर भी बिल की बसूली की जाएगी। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है। कनेक्शन जोड़ने और काटने समेत कई मदों में शुल्क बढ़ावारी के प्रस्ताव को नियमित आयोग ने खार्ड कर दिया है। योगी सरकार ने इस वर्ष 17.5 करोड़ की सब्सिडी घोषियों को दिया। इन्होंने नियमों को और से कनेक्शन काटने से लेकर जोड़ने और कई तरह के नियमों को और भी अन्य प्रमुख



का तोहफा देते हुए लगातार पांचवीं साल बिजली दरें बढ़ाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं नियमों की और से कनेक्शन काटने से लेकर जोड़ने और कई तरह के

नियमों को और भी अन्य प्रमुख

फैसले लिए। इसमें स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर कनेक्शन जोड़ने वा काटने पर 50 रुपया प्रस्तावित शुल्क खारिज किया गया। एसएमएस के लिए 10 रुपया शुल्क लेने के प्रस्ताव को भी खारिज किया गया। उपभोक्ता तीन किलोवाट पर 3 फेज का कनेक्शन ले सकते हैं। नियमों ने 11203 करोड़ का घाटा दिखाया गया था जिसे आयोग ने खारिज कर दिया। बिजली उपभोक्ताओं को और भी राहत प्रदान की गई है। बिजली कंपनियां बिजली उपभोक्ताओं का लोड मनमानी तरीके से हर तीन माह की रिपोर्ट के आधार पर नहीं बढ़ा सकतीं। एक व्यवस्था के मुताबिक, लोड बढ़ते समय एक साल की रिपोर्ट का अध्यन किया जाएगा। उसी के आधार पर लोड बढ़ाया जाएगा।

रानी की महा आरती की गयी। साथ



किया। वही, महिलाएं बोलीं -पूरे आगरा में हमने ऐसा भक्तिमय कार्यक्रम आँखों से आज तक नहीं देखा था, यहाँ आने के बाद माता रानी के चरणों में से जाने का मन नहीं करता। यज भाता दी।

32वें माँ वानुपांडा देवी के विशाल नेले में 2100 दीपों से की गयी महाआयी

ऐसा भक्तिमय वातावरण देख महिलाएं बोलीं - "पूरे आगरा में हमने ऐसा भक्तिमय कार्यक्रम आँखों से आज तक नहीं देखा था, यहाँ आने के बाद माता रानी के चरणों में से जाने का मन नहीं करता"। यज भाता दी।

दैनिक समाज जागरण

आगरा, संजय सारांस्थ सिंह। 32वें माँ वानुपांडा देवी के विशाल नेले में राजा मंडी स्टेशन पर दैनिक वाती व्यापार संघ पोला भाइ गुप्त द्वारा 2100 दीपों से महाआयरी की गयी।

दैनिक यात्री व्यापार संघ पोला भाइ गुप्त द्वारा आगरा के 11 अलग-

अलग मंदिरों के महंतों के द्वारा माता

रानी की महा आरती की गयी। साथ

ही कारबंग में माँ काली एवं

राधारानी की भव्य ज्ञाकी की गयी।

दैनिक यात्री व्यापार संघ ज्ञाकी के आयोजन किया गया। इस भक्तिमय वातावरण में राधारानी की ज्ञाकी के साथ किया। वही, महिलाएं बोलीं -पूरे आगरा में हमने ऐसा भक्तिमय कार्यक्रम आँखों से आज तक नहीं देखा था। यहाँ आने के बाद माता रानी के चरणों में से जाने का मन नहीं करता जय भाता दी।

स्थापित : 1960



उदयनाराय रोसड़ा कॉलेज

रोसड़ा (समस्तीपुर)

(ललित नारायण मिथिला विविद्यालय की अंगीभूत इकाई)

यहाँ निम्न विषयों की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है-

विज्ञान संकाय : भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान एवं गणित।

कला संकाय : मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं इतिहास।

मानविकी विषय : हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी एवं मैथिली।

विशेषताएं :

● आपुनिक वर्ग-कक्ष एवं अलग-अलग विभाग में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था।

भाग-३

झुबते देश को बचाया चाय वाले ने

दैनिक समाज जागरण

हां तो पिछले अंक में हमने देखा कि देश की इकॉनॉमी को बैंक में ला तो दिया लेकिन सरकारी खजाने के 100 रुपये में एक पैसा भी खर्च नहीं



किया। अब इकॉनॉमी घुमा शुरू हो गया था। लेकिन पैसा तो पेंड़े, पर उगता नहीं। सरकार की किसी की हो, खजाने में पैसा टैक्स से हीं आता है। भारत में टैक्स तो था लेकिन सरकार के खजाने में नाम का ही जाता था क्योंकि, यदि किसी व्यापारी की टैक्स लागत 10 लाख तो गया। अपको 10 लाख टैक्स भरना है। नतीजा ये निकला कि अब सरकार के पास पैसा आना शुरू हो गया। अब तो डिमानेटाइजेशन अर्थात् नोटबंदी और जीएसटी भी इम्पलिमेंट हो गया था। अज तो पैसे दो लाख, दो लाख तक प्रति माह रिवेन्यू आने लगा है। सरकार इनकास्ट्रक्टर में खर्च करने लगी। रेल, रोड, कॉलेज, अस्पताल, एयरपोर्ट, आदि आदि

अगर उद्योगपति पर टैक्स 500 करोड़ है तो 100 करोड़ मात्राजी की डायरेक्ट या भाया चिंदवरम साहब को पकड़ा देता था और बाकी 400 करोड़ रिवेन्यू अर्थात् बच गया। उनके नोटिसेज पिछे चले

वित्त वर्ष 2023-24 में GST कलेक्शन

अप्रैल	₹1.87 लाख करोड़
मई	₹1.57 लाख करोड़
जून	₹1.61 लाख करोड़
जुलाई	₹1.65 लाख करोड़
अगस्त	₹1.60 लाख करोड़
सितंबर	₹1.63 लाख करोड़
अक्टूबर	₹1.72 लाख करोड़
नवंबर	₹1.67 लाख करोड़
दिसंबर	₹1.64 लाख करोड़
जनवरी	₹1.72 लाख करोड़
फरवरी	₹1.68 लाख करोड़

जाते। लेकिन मोदी सरकार में पुरा टैक्स, गले में हाथ डाल कर बसूल लिया जाता है। याद है न!! 2017 तक कोई चीज़ आना खरीदते थे तो उस पर लिखा होता था - इनकलुसिव अल टैक्सेज अर्थात् सभी करों को जाड़ कर। जिसमें 3 तरह के टैक्स जुड़े होते थे लेकिन ये सभी टैक्स कभी सरकार के खाते में नहीं जाते थे। इसका अधिकांश भाग, बाबु लोगों और नेताओं के जेब में चला जाता था। पैसा सरकार के खजाने में नहीं आयेगा तो काम कैसे होगा!! यहां मोदीजी ने हल निकाला। सारे टैक्सेज को मिलाकर जीएसटी बनाया जो 2017 में लागू हुआ।

सिद्धिदात्री नवम

दुर्गा की नवम शक्ति का नाम सिद्धि है, एं सिद्धिदात्री हैं। सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली माता इहीं को माना गया है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, इश्वित्व



और वशित्व ये आठ सिद्धियां होती हैं। देवी पुराण के अनुसार भगवान शिव ने इन्हीं की कृपा से सिद्धियों को प्राप्त किया था। इहीं की अनुकूल्या से भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण वह संसार में अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। माता सिद्धिदात्री चार भुज-ओं वाली हैं। इनका वाहन सिंह है। ये कमल पुष्प पर आसीन होती हैं। इनकी दाहिनी नीचे वाली भुजा में चक्र, ऊपर वाली भुजा में गदा और बायाँ तरफ नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में पंख हैं। नरवरि पूजा के नवे दिन इनकी पूजा की जाती है। भगवती सिद्धिदात्री का ध्यान, स्तोत्र व कवच का पाठ करने से 'निर्वाण चक्र' जग्रत हो जाता है।



निर्भरता समाप्त हो रही है। दुसरी परेशानी थी कि 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति टम आ गया जो युद्ध नहीं होने दे रहा था तो हथियार नहीं बिक रहा। असल में अंतर्राष्ट्रीय कबाल तीन चीजों पर आश्रित है - हथियार, पेट्रोलियम और फार्मा। अमेरिका में कोरोना वैक्सीन फाइजर 2019 में ही बन गया था क्यों!! क्या वे जानते थे कि कोरोना महामारी आयेगी!! अर्थात् अमेरिका से वायरस चीम और चीन से पुरी दुनिया में। चाना का इंटरेस्ट था कि भारत का उद्योग बर्बाद हो ताकि उसका व्यापार बढ़े। कोरोना काल में विपक्षी शासित राज्यों से वासों में भर-भर कर लोगों को बाहर निकला जाने लगा, देश के कट्टूरपंथियों द्वारा भी इस संकट को विसरा देने की कोशिश हुई। चाय वाले ने उस संकट काल में, गरीबों को पेट भरने हेतु, बाहर निकलना



भारत के हथियारों की दुनिया में धूम

न पड़े इसके लिए, गेहूं चावल का राशन फ्री में उपलब्ध कराकर कोरोना विस्तार पर हथौड़ा चलाया। जनता को प्री का गेहूं, चावल देने से सरकार का कुछ नहीं गया। क्योंकि हरियाणा, पंजाब के किसानों से एफसीआई, एमएसपी पर गेहूं खरीदती थी लेकिन स्टोरों से की सुविधा के अभाव में हो जारी हो जाता था। नियम निर्धारित होता था कि अभाव में गोदावरी द्वारा भारत के लिए बाद भारत की अर्थव्यवस्था के उत्तरों चेहरों के शराब बनाने वाले कारखानों को मजबूत करने के लिए अन्दराजाही को सुधारना चाहिए। अब उनको चेहरों के शराब का प्राप्ति करने के लिए बाहर रोजी-रोटी के लिए जाने से फैलने वाले कोरोना से भी खरीदें गये गेहूं की बाबादी को रोका। दुसरे पहली बार देश में ही कोरोना वैक्सीन का सफल अविकार और उत्पादन करके एक रुपया खर्च किये भारत की अर्थव्यवस्था को कैसे सुधूद कर रहा है!! कटोरा लेकर उनके सामने खड़ा हो रहा है। मतलब भारत की उनपर

अपने पैकेट से निकाला नहीं है। कोरोना काल में बड़े बड़े अर्थशास्त्रियों ने सुझाव दिया था कि सरकार को व्यापारियों को व्यापार चलाने के लिए पैसे देने चाहिए। लोकन मोदीजी ने ऐसा नहीं किया। क्योंकि अगर ऐसा किया जाता तो कम्पनी चलाने वाले, पहले वैलेंस शीट घटे की, भरपाए तरीके पर बचा पैसा उद्योग में लागू होगा। इसलिए स्टूमलेस पैकेज देने से कोई फायदा नहीं होता। विदेशों में जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस आदि में व्यापारियों को स्टूमलेस पैकेज दिये गये लेकिन उद्योग बढ़ा नहीं और ये देश मदी की चेपट में आ गये। मोदी सरकार ने 20 लाख करोड़ का पैकेज बनाया और ये पैसे उद्योग को न देकर गरीबों को देने का फैसला लिया। जो बगैर लिंकेज के डीबीटी और

कौटिल्य अर्थशास्त्र में शासन तंत्र

यूपीआई के माध्यम से गरीबों के पास पहुंचा। गरीबों के पास पैसा पहुंचा तो महत्वकांश बढ़ी। कोरोना काल का डेटा देखिये तो गाव में मोटरसाइकिल और कारों की संख्या बढ़ी है। व्यापारियों को स्टूमलेस पैकेज नहीं देने के बावजूद, मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज रोज बढ़ाता चला गया। मतलब लोग घर में बैठकर करने की सुविधा के अभाव में हो जारी हो रहा है। सबने व्यवस्था चलायी लेकिन पैसा रहा बैंक में हीं कोंकां यूपीआई चली। आज चाय वाले की अर्थव्यवस्था में नेताओं और उनके चेहरों के शराब रोजी-रोटी के लिए जाने से फैलने वाले कोरोना से भी खरीदें गये गेहूं की बाबादी को रोका। दुसरे पहली बार देश में ही कोरोना वैक्सीन का सफल अविकार और उत्पादन करके एक रुपया खर्च किये गये गोदावरी द्वारा चला गया। मतलब लोग घर में बैठकर करने की अर्थव्यवस्था में नेताओं और उनके चेहरों के शराब रोजी-रोटी के लिए जाने से फैलने वाले कोरोना से भी खरीदें गये गेहूं की बाबादी को रोका। यहां लोग घर में हीं कोंकां यूपीआई चली। आज चाय वाले की अर्थव्यवस्था नीति और कौटिल्य अर्थशास्त्र ने, कांग्रेस शासित, बर्बाद भारत को विश्व की सबसे तेज दौड़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है लेकिन चाय वाले ने इसके लिए और भी बहुत कुछ किया।.... पुनः अगले अंक में...(क्रमशः)



प्रोफेसर राजेन्द्र पाठक (समाजशास्त्री)

घटना जो भूलाए नहीं भूलती

दैनिक समाज जागरण

यह बात उन दिनों की है, जब मैं करीब लीस वर्ष का था। ये उम्र किशोरावस्था पार कर उत्तरवास्था में कदम रखने की होती है तो स्वाभाविक है उम्र, जोश उत्साह कमोबेश है युवा में कुछ ज्यादा ही देखने को मिलता है। मेरा देस्त भी मेरे ही उम्र का था अतः हम दोनों स्वाभाविक रूप से उम्र में और उत्साहित थे। हममें जोश और उम्र, उत्साह का सागर हिलेरो ले रहा था।

उस जमाने में हम लोगों ने अभी अभी ही गाड़ी चलाना सीखा था। स्वाभाविक तौर पर (स्कूटर - मोटर सायकिल) में घूमने के बहुत शोकीन थी थे। हालांकि घर में दो गाड़ियां थीं लेकिन अक्सर पड़ने वाली डाटों की बजह से मैं उन्हें चलाने करता था। उन दिनों मेरा-एक प्रिय दोस्त था जिसके बायीं राजनीश जिसके बायीं राजनीश था। जिसके साथ मेरा विश्वास था कि यार चल तो ये तो यारी है ही ही। उसे बहुत मना करता रहा कि मुझे गाड़ी छुला अच्छा नहीं लगता। मैंने उसे बहां तक कहा कि मुझे गाड़ी छुला आ

जेएस विश्वविद्यालय में फैकल्टी नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम हुआ संपन्न

दैनिक समाज जागरण -
ब्रजपोहन सिंह

शिक्षकोंहावाद। जेएस विश्वविद्यालय में वाचिंज्य संकाय के तत्वाधान में बहुसंस्थानिक वाच को फैकल्टी नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम का आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता का रूप में प्रोफेसर राजेश मिश्रा फैकल्टी आई-इन्डिया यूनियन ने डाटा एनालिसिस यूजर्स एक्सप्लोयीटर के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर ने अपने के अनुभव से विश्वविद्यालय के आचार्यांगों के लिए शोध में प्रयोग होने वाले एक्सप्लोयीटर को प्रोफेसर राजेश मिश्रा फैकल्टी आई-इन्डिया यूनियन ने डाटा एनालिसिस यूजर्स एक्सप्लोयीटर के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर ने अपने के अनुभव से विश्वविद्यालय के आचार्यांगों के लिए शोध में प्रयोग होने वाले एक्सप्लोयीटर को प्रोफेसर राजेश मिश्रा आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक के तौर पर डॉ. गौतम कुमार गुप्ता अधिकारी अग्रवाल एवं वादेश मिश्र दॉ. वीरेण्ठि डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. नितेश सक्सेना, डॉ. नवीन यादव और डॉ. शुभम यादव आदि यादव, डॉ. इश्टियाक खान, डॉ. प्रवेद



के समय पर विश्वविद्यालय के महाविदेशक डॉन्टर गोवर यादव ने डॉन्टर राजेश मिश्रा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक के तौर पर डॉ. गौतम कुमार गुप्ता अधिकारी अग्रवाल एवं वादेश मिश्र दॉ. वीरेण्ठि डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. नितेश सक्सेना, डॉ. नवीन यादव और डॉ. शुभम यादव आदि यादव, डॉ. इश्टियाक खान, डॉ. प्रवेद

प्राप्ति के उपर्यांत महिला की जौत, परिजनों ने किया हंगामा: प्राइवेट अस्पताल में तीन दिन पहले कर्याया गया था भर्ती

स्थिटी हॉस्पिटल में प्राइवेट में महिला की हुई जौत परिजनों ने लागाए गंभीर आरोप

दैनिक समाज जागरण -
ब्रजपोहन सिंह

फिरोजाबाद। गुरुवार को गंभीरता महिला की प्रसव के उपरान्त मौत हो गई। युस्साएं परिजनों ने डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। हंगामा होते देख डाक्टर सौंके से फैकर हो गए। वहीं, पुलिस ने योग्य मौके पर पहुंच गयी। पुलिस ने समझा बुझाकर शव को पोंटर्स्टार्ट के लिए भिजवा दिया। परिजनों ने योग्य मौके पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए देख डाक्टर सौंके से फैकर हो गए। वहीं, पुलिस ने योग्य मौके पर पहुंच गयी। पुलिस ने इसी हॉस्पिटल के लिए भिजवा दिया। मृतकों की बाद हप्ती वार गंभीरता हुई। यद्यपि वह दूसरे दिन तीन दिन पहले थाना रस्तुलपुर थेंके के सिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहाँ उसे भर्ती कराया गया। प्रसव होने के



बाद महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया लेकिन उसके बाद से ही उसकी लवियत बिगड़ गई। गुरुवार को पहले फिरोजाबाद के प्रान्तीन नार में सेल्स निवासी बुझाकर शव को पोंटर्स्टार्ट के लिए भिजवा दिया। परिजनों ने योग्य मौके पर पहुंच गयी। इसकी जानकारी होते ही परिवार में कोहराम वर्दानों को बाद पहुंची वार गंभीरता हुई। यद्यपि वह दूसरे दिन तीन दिन पहले थाना रस्तुलपुर थेंके के सिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहाँ उसे भर्ती कराया गया। प्रसव होने के

बालिकाओं को निर्भीक, निङ्गट बनाकर स्वास्थिकरण का दायित्व पूर्य किया जाएगा।

समाज जागरण अनिल कुमार हरहुआ वाराणसी। बेटी बच्चों के बालिकाओं के उपलक्ष्य के उपरान्त राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में 10 दिवसीय समारोह का योग्यम से विशेष गतिविधि का आयोजन आज 09 अक्टूबर को हरहुआ ब्लाक के बेलवरिया ग्राम पंचायत में प्रधान अशोक कुमार पटेल के नेतृत्व व एक्स्ट्रा एसोसियेशन के बैठक तले पंचायत भवन पर बालिका जागरूकाली का व सशक्तिकरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

पॉक्सो अधिनियम, महिला हिंसा व कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्तीर्णन अधिनियम 2013 के अधिनियम का आरोप गंभीरता वाली सुविधाओं से महिलाओं को अवधारणा करता है।



उत्तीर्णन अधिनियम 2013, शक्ति मोर्चाल, महिला हेल्प डेंक, महिला सार्वजनिक सेल, महिला रिपोर्टर्स पुलिस चौकी परमाणु के देवर और महिला अपराधों पर तरित कार्यवाई पर चर्चा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीड़ीओं हरहुआ दीनदावाल ने कहा कि आजकी बालिका कल की भवियत महिला होगी जिससे समाज के उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं परिवेश में प्रसव वर्षा रहे। मुख्य वक्ता वन स्टॉप सेंटर के कार्यक्रम की प्रबन्धक रश्मि दुबे रही। जिहानों से सखी वन स्टॉप सेंटर के कार्यक्रम को मिलने वाली सुविधाओं से महिलाओं को अवधारणा करता है।

जाहान एवं वादेश मिश्र ने कहा कि आज वर्कर विकास एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेदारी निभायी है।

विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन एवं विशेष अतिथि जयावंश बीड़ीओं के साथ संचालन भवित्व में उत्थान की जिम्मेद

जीडीएसी महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पट पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का हर्षो उल्लास के साथ किया गया आयोजन

दैनिक समाज जागरण, महेन्द्र प्रजापति बहल, 10 अक्टूबर। जीडीएसी मेमोरियल महाविद्यालय के मनोविज्ञानिक विभाग की ओर से "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" पर मानव मानसिक स्वास्थ्य विषय को लेकर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का बढ़ा छ हृतकर्म नजारा। विद्यार्थियों ने बीआरसीएम के जीडीएसी महाविद्यालय की मनोविज्ञान कार्यशाला में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बढ़ के चक्रवर्त भाग लिया जो समस्त कर्मचारियों के जीवन लक्ष्य निर्धारण और उनके मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए एक उत्कृष्टात्मक कानून बना। विद्यार्थियों ने बढ़ ही आदर व हर्षो उल्लास के साथ इस प्रतियोगिता में "कार्यशाल के प्रति विश्व मानसिक स्वास्थ्य" थीम पर अपने रंगीन व आकर्षक पोस्टर बनाए। मनोविज्ञान के सहायक प्राचार्यकार्यकाल उपर्योग प्रसार ने बताया कि इस दिन को दुनिया भर में लोगों के जीवन पर उनके मानसिक स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव को इंगित करने के लिए प्रतिवर्त मनवा जाता है। यूरोपीय देशों में वह दिवस "मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह" का हिस्सा होता है।



नेट्रो एटेशन पट शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के चित्र एवं परिचय पट्ट का हुआ अनावरण, सेना में जाने के लिए प्रेरक बना शहीद कैप्टन शुभम का बलिदान : प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र

आगरा, संजय सागर सिंह। गत वर्ष राष्ट्र के प्रति अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारत माता के बीच सप्तम शहीद शुभम गुप्ता सुन्नि संस्थान फाउंडेशन की ओर से कैप्टन शुभम गुप्ता मेट्रो स्टेशन पर आयोजित 29वें जन्मदिवस पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र ने पटिका का अनावरण किया। कैप्टन शुभम गुप्ता सुन्नि संस्थान और आगरा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सुखन तत्वानुयान में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कर बढ़े मात्रम का गायन किया गया। इस मोक्ष पर एआई सेली लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उह्वे भारीभी नीत्राद्वाजी दी। इस दौरान कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता और उनकी मां पुष्पा गुप्ता भावुक हो गए। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में आरएसएस के प्रति प्रचारक धर्मेंद्र ने कहा, गत वर्ष राष्ट्र के प्रति अपना शुभम गुप्ता का विद्यालय पुरुषोंगम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनवा जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। निरायक मंडल (डॉ. सुखेंद्र महला, श्री मान सिंह जी ने इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में शामिल बच्चों की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।



लेकिन कदम पीछे नहीं खींचे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा कार्यक्रम के प्रति अपना वर्कशॉप में दीप प्रज्वलन कर बढ़े मात्रम का गायन किया गया। इस मोक्ष पर एआई सेली लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उह्वे भारीभी नीत्राद्वाजी दी। इस दौरान कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता और उनकी मां पुष्पा गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता और उनकी मां पुष्पा गुप्ता भावुक हो गए। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में आरएसएस के प्रति प्रचारक धर्मेंद्र ने कहा, गत वर्ष राष्ट्र के प्रति अपना शुभम गुप्ता का विद्यालय पुरुषोंगम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनवा जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आहान किया। प्रांस्थ में अतिविद्यों का स्वास्थ्य आपको भेजे के बाइर अधिकारी सुनेंद्र के द्वारा किया गया यथा आपका शान्त विद्यालयीन शुभम गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद के डॉ. तुरुण शर्मा ने किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, रामलीला केमटी, होटल एंड रेस्टोरेंट एवं विदेशी अगरा, इतिराग फाउंडेशन अगरा, मायुर वैद्य यथा विद्यालय इत्यादि अनेक संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने भागीदारी की। प्रमुख रूप से डॉ. पंकज मंडेहू, नानेंद्र दुबे गामा, वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रदीप सिंह फैजदार, पारंपर बबलू लोधी, पारंपर शोभाराम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

लेकिन कदम पीछे नहीं खींचे।

उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपायकर ने योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया का आपावासन दिया और विद्यार्थीय पुरुषोंगम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आहान किया। प्रांस्थ में अतिविद्यों का स्वास्थ्य आपको भेजे के बाइर अधिकारी सुनेंद्र के द्वारा किया गया यथा आपका शान्त विद्यालयीन शुभम गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद के डॉ. तुरुण शर्मा ने किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, रामलीला केमटी, होटल एंड रेस्टोरेंट एवं विदेशी अगरा, इतिराग फाउंडेशन अगरा, मायुर वैद्य यथा विद्यालय इत्यादि अनेक संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने भागीदारी की। प्रमुख रूप से डॉ. पंकज मंडेहू, नानेंद्र दुबे गामा, वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रदीप सिंह फैजदार, पारंपर बबलू लोधी, पारंपर शोभाराम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके रोजर्मार्क की कई आदतों से भी अवगत करवाया जिसने उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

लेकिन कदम पीछे नहीं खींचे।

आहान किया। प्रांस्थ में अतिविद्यों का स्वास्थ्य आपको भेजे के बाइर अधिकारी सुनेंद्र के द्वारा किया गया यथा आपका शान्त विद्यालयीन शुभम गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद के डॉ. तुरुण शर्मा ने किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, रामलीला केमटी, होटल एंड रेस्टोरेंट एवं विदेशी अगरा, इतिराग फाउंडेशन अगरा, मायुर वैद्य यथा विद्यालय इत्यादि अनेक संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने भागीदारी की। प्रमुख रूप से डॉ. पंकज मंडेहू, नानेंद्र दुबे गामा, वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रदीप सिंह फैजदार, पारंपर बबलू लोधी, पारंपर शोभाराम राठोर, प्रमोद संघर्ष हरिनारायण चतुर्वेदी, डॉ. कैलाश चंद्र सास्त्रजी, विनय सिंह, विद्यार्थी कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया जाता है। वह दिवस "विश्व वीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीएसी महाविद्यालय के कार्यक्रम के आयोजन के लिए योग्य और अपने वर्कशॉप में बताया की सराहना करते हुए अपने वर्कशॉप में बताया कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम "मैटल हेल्प एट वर्क" है।

लगाइये हेलमेट - सीट बैल्ट हो रहे चालान कार्यवाही : 74 चालानों में 35,700/- वसूले

दैनिक समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

शहडोल। जिला शहडोल पुलिस द्वारा दिनांक 08.10.24 को बिना हेलमेट लगाए थे पहिया वाहन चालाने वाले, बिना सीटबैल लगाये चार पहिया वाहन चालाने वाले चालकों एवं अन्य के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 74 चालानों में 35,700/- रुपए संमें शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संविधानों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाव घूरक निर्देशित किया गया।

नवरात्रि, दुर्गा पूजा पर 50 बंदियों ने रखा विधिवत व्रत

समाज जागरण

उमरिया। जेल अधीक्षक डी.को. 08.10.2024 को सारस ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर देवी मां दुर्गा की पूजा, आराधना करने के लिये जेल में परिस्तु दुर्गा विशेष व्रत करने वालों के अपेक्षाकृत दर्शन नहीं दिया जाएगा। जेल में रहते हुए उनके द्वारा प्रायश्चित्त करने के लिये अनुशासन में रहते हुए व्रत रख रहे हैं। जेल में रहते हुए उनके द्वारा प्रायश्चित्त करने के लिये वह प्रायश्चित्त अवृत्त लभाद्यक है। वर्तीयां जेल में अनुशासन में रहते हुए व्रत रख रहे हैं। व्रत रहने पर बंदियों को फलादार एवं साकृदाना, गुड, मूँगफली एवं अलू एवं जेल कैटैन से फल बंदियों के मांग अनुशासन जेल प्राप्तान द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इन सभी बंदियों का साथ यह है। व्यवस्था के लिये जेल अधीक्षक डी.के. सारस एवं जेल, उप अधीक्षक माखन सिंह मार्कों एवं दूर्घटीर प्रमुख मुख्य प्रहरी, जेल के समस्त अधिकारी, कर्मचारी ने बंदियों को अनुशासन में रखकर मां दुर्गा की पूजा, आराधना के लिये प्रोत्साहित किया गया।

सौहार्द पूर्ण दशहरा चल उत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

समाज जागरण

उमरिया। आगामी 12 तारीख को दशहरा चल उत्सव समारोह सौहार्दपूर्ण मनाने थाना मानपुर में शान्ति समिति की बैठक अनुवायीय अधिकारी मानपुर कमलेश राजवाल, तहसीलदार मानपुर कहने पानीका, थाना प्रभारी मानपुर मुकेश प्रकाशकों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से दशहरा चल उत्सव समारोह कार्यक्रम को संपन्न करने के सहमति बनी। नार में विराजमान सभी दुर्गा प्रतिमाओं को सम्मिलन करने के लिये दुर्गा समिति के अधिक्षयों को बताया गया साथ ही सभी दुर्गा समिति को बाहन की व्यवस्था थाना मानपुर के द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इन सभी बंदियों का साथ यह है। व्यवस्था के लिये जेल अधीक्षक डी.के. सारस एवं जेल, उप अधीक्षक माखन सिंह मार्कों एवं दूर्घटीर प्रमुख मुख्य प्रहरी, जेल के समस्त अधिकारी, कर्मचारी ने बंदियों को अनुशासन में रखकर लगातार उपलब्ध कराया गया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर में खुले नाले में गिरने से एक बच्चे की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया

आयोग ने हाल के दिनों में अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई ऐसी कई घटनाओं को गंभीर माना। दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, डीडीए उपाध्यक्ष, दिल्ली नगर निगम आयुक्त से चार स्पष्टान के अंदर रिपोर्ट मांगी गई।

ऐसी घटनाओं में दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर में खुले नाले में गिरने से एक बच्चे की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनआरआरसी) ने 7 अक्टूबर, 2024 को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर इलाके में खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत से जड़ी भीड़िया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है। वह काम करने वाले ने कथित तौर पर बिना चेतावनी का संकेत लगाया एवं कहा कि जगह पर हाल को खुला छोड़ दिया था। वह काम करने में रास्तीय राजधानी में इसकी विवरण दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्रधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष और दिल्ली नगर निगम के अधिकारी ने दो एक आईआर की रिपोर्ट दिया है। इसी के अनुसार, आयोग ने एक अधिकारियों को संकेत लगाया एवं गिरने से एक बच्चे की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनआरआरसी) ने 7 अक्टूबर, 2024 को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अलीपुर इलाके में खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत से जड़ी भीड़िया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है। वह काम करने वाले ने कथित तौर पर बिना चेतावनी का संकेत लगाया एवं कहा कि जगह पर हाल को खुला छोड़ दिया था। वह काम करने में रास्तीय राजधानी में इसकी विवरण दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्रधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष और दिल्ली नगर निगम के अधिकारी ने दो एक आईआर की रिपोर्ट दिया है। इसी के अनुसार, आयोग ने एक अधिकारियों को संकेत लगाया एवं गिरने से एक बच्चे की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

एसी घटनाओं की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दो एक आईआर की रिपोर्ट, जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को दिए गए मुआवजे की जानकारी मांगी गई।

ए